खबर संक्षेप

नरवाई जलाने पर 8 किसानों को नोटिस जारी

सतना। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सतना डॉ.सतीश कुमार एस द्वारा 9 मार्च 2026 को जारी आदेश के तहत धान एवं गेहूं की कटाई के बाद खेतों में नरवाई जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। कलेक्टर के आदेश के उल्लंघन पर अनुविभागीय दण्डाधिकारी नागौद जितेन्द्र वर्मा द्वारा 8 किसानों को नोटिस जारी किया गया है। इन किसानों में अनुविभाग नागौद अंतर्गत ग्राम शहपुर के रामप्रसाद ढीमर, ओमप्रकाश ब्राम्हण, रामप्रकाश ब्राम्हण, जीवनलाल नाई, जयलाल नाई, विश्वनाथ तथा ग्राम खखरौधा के अवधेश कुर्मी और नरेश कुर्मी शामिल हैं। अनुविभागीय दण्डाधिकारी नागौद ने जारी नोटिस में बताया गया कि डाटा के आधार पर संबंधित किसानों द्वारा अलग-अलग दिनाकों एवं आराजी नम्बर में तहसील नागौद अंतर्गत में नरवाई जलाने की घटना दर्ज की गई। मैदानी जांच में यह मामला सत्य पाया गया। जांच में सामने आया कि किसानों द्वारा अपने-अपने खेतों में नरवाई जलाई गई,जो कि शासन के आदेश का उल्लंघन है। प्रशासन ने इसे दण्डनीय अपराध मानते हुए संबंधित व्यक्तियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस में संबंधित किसानों को 6 मई 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित तिथि पर उपस्थित न होने या संतोषजनक जवाब न देने पर एकपक्षीय कार्यवाही करते हुए दंडात्मक आदेश पारित किए जाएंगे।

रीवा से रतहरा मॉडल सड़क पर रात्री में भारी जाम को नियंत्रित किया जाय : किसान सुब्रत

रीवा। भारतीय किसान यूनियन मध्यप्रदेश प्रदेश के अध्यक्ष एव राष्ट्रीय किसान समन्वय समित के सदस्य किसान सुब्रत ने जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, यातायात प्रभारी एव पी. डब्लू. डी. के सक्षम अधिकारियो से आग्रह किया है की बीहर नदी के बाई पास की पुलिया मे सुधार होने के कारण वाई पास से भारी वाहनो के आने जाने मे रोक के कारण नो इन्टरी के रात्रि मे खुल जाने पर रतहरा से लेकर चोरहटा तक जाम की स्थित रहती है लोग कई घन्टे जाम मे फसे रहते है याता यातायात को कोई नियंत्रण करने वाले नही रहते ,दुर्घटनाओ की संभावना के साथ कई घन्टो तक जमा रहता है ।जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, यातायात प्रशासन, पी डब्लू डी के सक्षम अधिकारी रात्री मे निकल कर रतहरा से चोरहटा तक जाम से लोगो को निजात दिलाने आवश्यक कार्रवाई मौके का मुआयना कर यातायात को सुचारू रूप प्रदान करे ,अनिवार्य रूप से रात्रि मे यातायात को नियंत्रण करने के लिए यातायात पुलिस को जिममेदारी दी जाय रतहरा से चोरहटा तक डिवाइडरो से इस पार से उस पार तक जाने मे घन्टो का इन्तजार करना पडता है इसे व्यवस्थित किया जाय । किसान सुब्रत ने माग है की रीवा से चोरहटा माडल सडक मे आने एव जाने के लिए दो दो लेन है दोनो मे भारी बहन के बीच मे छोटे बहन कार ,मोटर साइकिल को चलाना जोखिम भरा है ।माडल सडक मे चोरहटा से रतहरा जाने वाले मार्ग एव रतहरा से चोरहटा आने वाले मार्ग पर लेन मे रेडियम पट्टी के साथ पेन्ट से लेन के लिए लाईन बनायी जाय एक लेन को भारी बहनो क लिए एव एक लेन को छोटे बहनो मोटर साइकिल स्कूटर ऐंबुलेंस के लिए आने एव जाने के लिए आरक्षित किया जाय ,लेन नम्बर एक दो लिखा जाय कौन सी लेन मे भारी वाहन एव कौन सी लेन मे छोटे वाहन चलेगे उसका सक्ती से पालन कराया जाय ,डिवाइडर हो वहा सडक मे पट्टी बनायी जाय संकेतक लगाये जाय , डिवाइडर के पास सडक मे जाम ना लगे वाहन खडे ना हो जिससे लोग इस पार से उस पार सके ।इस पार से उस पार जाने मे घन्टो ना लगे वाहन निर्धारित लेन मे चले जिससे जाम कि स्थित ना बने ।

रीवा रोड पर नशे में धुत्त ट्रक चालक का तांडव, राहगीरों की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

सतना।

शहर के व्यस्ततम रीवा रोड इलाके में शनिवार की देर रात एक शराबी ट्रक चालक ने जमकर हंगामा किया। नशे की हालत में अनियंत्रित ट्रक चलाते हुए इस ड्राइवर ने कई वाहनों को अपनी चपेट में लेने की कोशिश की,जिससे सड़क पर हड़कंप मच गया। हालांकि,राहगीरों की बहादुरी और सूझबूझ के कारण एक बड़ा सड़क हादसा होने से टल गया।

डिवाइडर पर ही सो गया चालक

घटना रात लगभग 11 बजे की है। ट्रक क्रमांक एमपी 19 एच ए 1326 गहरा नाला से सेमरिया चौक की ओर जा रहा था।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,ट्रक चालक नशे में इतना ज्यादा धुत्त था कि वह कभी ट्रक को तेजी से आगे बढ़ाता तो कभी अचानक बैक गियर लगा देता। इस दौरान पीछे आ रहे दोपहिया और कार सवारों में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।

राहगीरों ने ट्रक रुकवाकर पुलिस को सौंपा

जब स्थिति बिगड़ने लगी,तो कुछ साहसी राहगीरों ने अपनी जान जोखिम में डालकर ट्रक को रुकवाया। जब चालक को केबिन से नीचे उतारा गया,तो वह अपने पैरों पर खड़ा भी नहीं हो पा रहा था। नशे की हालत ऐसी थी कि वह सड़क के डिवाइडर पर ही लेट गया।

इस हंगामे के कारण रीवा रोड पर कुछ समय के लिए जाम की स्थिति बन गई।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

घटना की सूचना मिलते ही कोलगवां थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद चालक को होश में लाने का प्रयास किया और फिर उसे हिरासत में लेकर थाने ले गई। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो राहगीरों ने अपने मोबाइल में कैद कर लिया,जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है और चालक के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

मैहर माँ शारदा मंदिर पहाड़ी पर तेंदुए की मौजूदगी की पुष्टि,दो शावकों के साथ दिखा तेंदुआ

मैहर।

माँ शारदा मंदिर की पहाड़ी पर तेंदुए की मौजूदगी की पुष्टि हो गई है। सुबह से तेंदुए और उसके दो शावकों के देखे जाने की सूचना मिल रही थी,जिसके बाद वन विभाग की टीम तत्काल हरकत में आई।

वन विभाग द्वारा क्षेत्र में सर्चिंग अभियान चलाया गया। इसी दौरान मंदिर तक संचालित वेन सेवा (वाहन) में सवार यात्रियों और चालक ने सड़क पर तेंदुए के शावकों को चहलकदमी करते हुए देखा। इस प्रत्यक्ष दृश्य के बाद यह स्पष्ट हो गया कि पहाड़ी क्षेत्र में तेंदुआ अपने दो शावकों के साथ मौजूद है। पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में तेंदुए की हलचल की खबरें सामने आ रही थीं,जिस पर अब वन विभाग ने मुहर लगा दी है। टीम लगातार इलाके में निगरानी कर रही है और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर सतर्कता बरती जा रही है। वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से जंगल या सुनसान रास्तों की ओर न जाएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत विभाग को दें।

बरौधा में बिना नंबर की गाड़ियों से गाँव-गाँव शराब सप्लाई,पुलिस और जनप्रतिनिधियों की चुप्पी पर उठे सवाल

सतना। सरकारी शराब दुकान की आड़ में चल रहा अवैध पैकारी का कारोबार अब बरौंधा से लेकर कठवरिया और कलिंजर हाईवे तक फैल गया है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि हाईवे पर स्थित ढाबे अब भोजन के बजाय शराब के अड्डों में तब्दील हो चुके हैं। बरौंधा शराब दुकान के मुख्य दरवाजे से फुटकर बिक्री होती है,जबकि पिछले दरवाजे से शाम होते ही बिना नंबर की बोलेरो गाड़ियों में शराब की पेटियाँ भरकर अवैध ठिकानों तक पहुँचाई जाती हैं। थाना दुकान के ठीक सामने होने के बावजूद इन गतिविधियों पर कार्रवाई न होना चर्चा का विषय बना हुआ है। मंडल अध्यक्ष कामता यादव ने भी इस संबंध में प्रभारी मंत्री को लिखित शिकायत दी थी,लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। विधायक की चुप्पी पर भी क्षेत्र की जनता सवाल उठा रही है।

अमरपाटन में ई-पिकअप और बाइक की भीषण भिड़ंत, 2 की मौत

सतना। अमरपाटन थाना क्षेत्र के ग्राम किरहाई के पास एक तेज रफ्तार ई-पिकअप और मोटरसाइकिल के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क पर ही पलट गया। इस दुर्घटना में बाइक सवार एक युवक और दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही डायल 112 और 108 एम्बुलेंस की मदद से घायलों को तत्काल अमरपाटन सिविल अस्पताल लाया गया। उपचार के दौरान सावित्री पाव नामक महिला ने दम तोड़ दिया। ताजा अपडेट के अनुसार, बाइक चला रहे युवक शिवम पाव की भी इलाज के दौरान मौत हो गई है। इस हादसे में अब तक कुल दो लोगों की मृत्यु हो चुकी है। गंभीर रूप से घायल श्यामकलिया पाव को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल सतना रेफर किया गया है।

उंचेहरा में अज्ञात वाहन की टक्कर से डॉक्टर गंभीर घायल

दूसरी घटना सतना-उंचेहरा मार्ग पर अकहा गाँव के पास घटित हुई,जहाँ रविवार शाम एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया। अकहा गाँव में डिस्पेंसरी चलाने वाले डॉक्टर राजेश कुमार सिंगरौल देवार गाँव में एक मरीज का इलाज कर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान अज्ञात वाहन की टक्कर से वह सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गए। डॉक्टर के कंधे,सिर और कान में गंभीर चोटें आई हैं। परिजनों ने उन्हें निजी वाहन से उंचेहरा सिविल अस्पताल पहुँचाया,जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल सतना रेफर कर दिया है।

रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आया तेंदुआ, मौके पर हुई दर्दनाक मौत

सतना। जिले से वन्यजीव प्रेमियों को झकझोर देने वाली एक खबर सामने आई है। उचेहरा वन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले तिघरा के पास एक तेंदुए की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब तेंदुआ संभवतः भोजन या पानी की तलाश में रेलवे ट्रैक को पार करने की कोशिश कर रहा था।

तेज रफ्तार ट्रेन बनी काल

प्राप्त जानकारी के अनुसार,तिघरा के पास से गुजरने वाली रेलवे लाइन पर एक तेज रफ्तार ट्रेन की टक्कर से यह हादसा हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि तेंदुए ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सुबह जब स्थानीय लोगों और रेल कर्मियों ने ट्रैक पर तेंदुए का शव देखा,तो तुरंत इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी।

वन विभाग की कार्रवाई

सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम दलबल के साथ मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए। विभाग ने मृत तेंदुए के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि तेंदुआ घने जंगल से निकलकर पटरियों की ओर आया था और अचानक ट्रेन सामने आने के कारण उसे संभलने का मौका नहीं मिला।

वन्यजीवों की सुरक्षा पर उठे सवाल

इस घटना ने एक बार फिर रेलवे ट्रैक के आसपास वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों और पर्यावरणविदों का कहना है कि वन क्षेत्रों से गुजरने वाले रेल मार्गों पर ट्रेनों की गति नियंत्रित होनी चाहिए ताकि बेजुबान जानवरों की जान बचाई जा सके। फिलहाल,वन विभाग मामले की विस्तृत जांच कर रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कहीं इसके पीछे कोई अन्य मानवीय चूक तो नहीं थी। विरुद्ध संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

नीट परीक्षा संपन्नः कड़े पहरे में 2027 भविष्य के डॉक्टरों ने दी परीक्षा,सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम

सतना। देश की सबसे प्रतिष्ठित मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट' रविवार को जिले में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। शहर के 7 परीक्षा केंद्रों पर कुल 2027 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए,जहाँ सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने चाक-चौबंद व्यवस्था की थी।

त्रि-स्तरीय सुरक्षा जांच और आधुनिक तकनीक का पहरा

परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े मानक अपनाए गए थे। तीन चरणों में जांच की गई। परीक्षार्थियों को केंद्र में प्रवेश देने से पहले तीन अलग-अलग स्तरों पर गहन तलाशी ली गई।

सीसीटीवी और जैमर

नकल रोकने और बाहरी संपर्क को पूरी तरह बाधित करने के लिए सभी केंद्रों पर हाई-टेक सीसीटीवी कैमरे और डिजिटल जैमर लगाए गए थे। परीक्षा हॉल के भीतर हर गतिविधि पर विशेषज्ञों की पैनी नजर रही।

दिव्यांग परीक्षार्थियों का रखा गया विशेष ध्यान

मानवीय दृष्टिकोण और नियमों का पालन करते हुए,परीक्षा केंद्रों पर दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गईं। उन्हें पेपर हल करने के लिए निर्धारित समय से अतिरिक्त समय प्रदान किया गया, ताकि वे बिना किसी तनाव के अपनी परीक्षा पूरी कर सकें।

केंद्रों पर रहा उत्साह का माहौल

दोपहर की चिलचिलाती धूप के बावजूद परीक्षार्थियों और उनके अभिभावकों में भारी उत्साह देखा गया। परीक्षा केंद्र के बाहर पुलिस बल तैनात रहा,जिससे यातायात और व्यवस्था सुचारू बनी रही। विशेषज्ञों के अनुसार,इस बार का प्रबंधन पिछले वर्षों की तुलना में अधिक तकनीकी और व्यवस्थित रहा।

कमिश्नर ने किया उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण

सतना। कमिश्नर रीवा बीएस जामोद ने रविवार को रामपुर बघेलान की उपज मंडी पहुंच कर उपार्जन केंद्र की गतिविधियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उपार्जन केन्द्र में उपलब्ध सुविधाओं को भी देखा। इस मौके पर कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस भी उपस्थित रहे। कमिश्नर रीवा बीएस जामोद ने रामपुर बघेलान उपज मंडी के उपार्जन केंद्रों के निरीक्षण के दौरान किसानों से बातचीत की। उन्होंने समितियों उपार्जन केंद्र संचालन कर रहे स्व सहायता समूह से कहा कि स्लॉट बुकिंग के समय अनुसार किसानों से उनकी उपज खरीदकर उसी दिन उसका इन्द्रराज करे,ताकि किसानों को उसकी उपज का मूल्य शीघ्र भुगतान किया जा सके। उन्होंने उपार्जन केंद्र से खरीदे गए गेहूं का ट्रांसपोर्टेशन भी समय पर करने के निर्देश दिए। रामपुर बघेलान मंडी में 3 उपार्जन केंद्रों पर खरीदी की जा रही है। कमिश्नर रीवा और कलेक्टर ने बचबई ग्राम पंचायत के रेऊरा स्थित सेलो उपार्जन केंद्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने यहां किसानों के लिए छाया,पेयजल सहित अन्य सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश दिए। रेऊरा सेलो से 4 स्व सहायता समूह के उपार्जन केंद्र और 3 समितियों के उपार्जन केंद्रों को संबद्ध किया गया है। उपार्जन केंद्रों के निरीक्षण के दौरान एसडीएम सुभाष मिश्रा,एलआर जांगड़े,जिला प्रबंधक नान पंकज बोरसे,केंद्रीय सहकारी बैंक के प्रबंधक एससी गुप्ता,सहायक आयुक्त सहकारिता प्रभाकरण प्रकाश,जिला आपूर्ति अधिकारी सम्यक जैन भी उपस्थित रहे।

मार्कंडेय पैलेस में भाजपा की संगठनात्मक बैठक संपन्न, आगामी कार्ययोजना पर हुआ मंथन

सतना। चित्रकूट विधानसभा क्षेत्र के मझगवां मंडल की संगठनात्मक कामकाजी बैठक मार्कंडेय पैलेस में संपन्न हुई। इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष पं.भगवती प्रसाद पांडेय उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष ने उपस्थित कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद कर उनका कुशलक्षेम जाना और संगठन की मजबूती पर जोर दिया। बैठक में अब तक संपन्न हुए कार्यक्रमों की समीक्षा की गई और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक में जिला उपाध्यक्ष राव प्रबल श्रीवास्तव,जिला मंत्री लव सिंह गौड़,वरिष्ठ नेता कार्तिकेय द्विवेदी सहित मंडल के सभी पदाधिकारी,शक्ति केंद्र प्रभारी और संयोजक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का स्वागत भाषण मंडल अध्यक्ष रमेश सिंह धुर्वे ने दिया,मंच संचालन महामंत्री निखिल गौतम ने किया और आभार प्रदर्शन मंडल उपाध्यक्ष राहुल उपाध्याय द्वारा किया गया।

अवैध वसूली का मामला

मझगवांः ग्राम पंचायत में नियमों को ताक पर रखकर अवैध वसूली,बिना टेंडर वसूला जा रहा बाजार और ऑटो टैक्स

सतना। जनपद पंचायत मुख्यालय की ग्राम पंचायत मझगवां में इन दिनों अवैध वसूली का बोलबाला है। मुख्य बाजार और ऑटो स्टैंड पर व्यापारियों व वाहन चालकों से जबरन टैक्स वसूला जा रहा है,जबकि इसके लिए कोई औपचारिक निविदा (टेंडर) प्रक्रिया पूरी नहीं की गई है। वाहन चालकों और व्यापारियों का आरोप है कि वसूली के बदले कोई आधिकारिक रसीद नहीं दी जा रही है। बिना वैधानिक आदेश के हो रही इस वसूली से सरकारी खजाने को चपत लग रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रसूखदारों के संरक्षण में यह खेल धड़ल्ले से चल रहा है,जिससे क्षेत्र के लोगों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस पर तुरंत रोक लगाने की मांग की है।

खबर संक्षेप

सिंघई अनिल जैन (अन्नू) पवई की हृदयाघात से मौत पवई में शोक

पवई। नगर परिषद पवई वार्ड कृमांक 09 निवासी सहज और सरल स्वभावी सिंघई अनिल कुमार जैन अन्नू पिता स्व0 सिंघई मूलचन्द्र के छोटे सुपुत्र का निधन 2 - 3 मई की मध्य रात्रि में अचानक हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया जिनकी अन्त्येष्टि 03 मई 2026 को पतने नदी किनारे मुक्ति धाम पवई में सैकड़ों नगर वासियों परिजनों एवं रिस्तेदारों की उपस्थिति मे किया गया उनकी धर्मपत्नी श्रीमती साधना जैन पुत्र निखिल जैन मीनल जैन (ईसू) ,आशिका जैन (बीसू) बडी मम्मी श्रीमती हर्षलता स्व0 सिंघई नरेन्द्र कुमार जैन, श्रीमती सुधा सिंघई महेन्द्र कुमार जैन ,श्रीमती नीता सिंघई विजय कुमार जैन एसीसी ,श्रीमती अनीता स्व0 सिंघई बीरेन्द्र कुमार जैन ,श्रीमती मुलायम सिंघई ज्ञान चन्द्र जैन ,स्व0 श्रीमती निशा सिंघई अजित कुमार जैन पत्रकार ,स्व0 श्रीमती संगीता सुनील कुमार जैन शिक्षक ,श्रीमती अनीता (गुडिया) सिंघई सुरेन्द्र कुमार जैन ,एवं भतीजे सतेन्द्र कुमार जैन (बडे भैया) , नितिन जैन रानू , विवेक जैन सचिन जैन लकी ,विपिन जैन निक्की ,अनुन्जय जैन ,अर्पित जैन ,आकाश जैन ,अभिमन्यु जैन , अंशुल जैन सहित समस्त पटवारी परिवार एवं परिजन नगरवासी शोक मे हैं जिनकी अन्त्येष्टि आज 03 मई 2026 रविवार को सुबह 10 बजे मुक्तिधाम पवई मे होगा।

जनगणना 2027 का पहला चरण शुरू, 30 मई तक होगा मकानों का सूचीकरण, लापरवाही पर सख्तीः बहानेबाजी करने वाले कर्मचारियों पर होगी कार्रवाई

रीवा। शहर में भारत की जनगणना 2027 के अंतर्गत प्रथम चरण का कार्य तेज गति से प्रारंभ हो गया है। 01 मई से शुरू हुए इस चरण में भवन एवं मकानों की गणना (हाउस लिस्टिंग) के साथ-साथ आवश्यक आधारभूत सूचनाओं का संकलन किया जा रहा है। यह कार्य 30 मई 2026 तक फील्ड में संपादित किया जाएगा, जिसके लिए प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। नगर जनगणना अधिकारी प्रकाश द्विवेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि शहर के सभी चारों जोन01, 02, 03 एवं 04 के प्रगणकों और सुपरवाइजर्स की सूची जारी कर दी गई है। सभी कर्मचारियों को उनके निर्धारित क्षेत्रों में समयबद्ध और प्रभावी ढंग से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि फील्ड कार्य के अतिरिक्त अन्य आवश्यक प्रक्रियाएं नगर निगम के जनगणना कक्ष में संचालित की जा रही हैं, जहां नियमित समीक्षा के माध्यम से प्रगति सुनिश्चित की जा रही है।जोनल चार्ज अधिकारियों को भी जनगणना कार्य की सतत निगरानी का दायित्व सौंपा गया है। अधिकारियों द्वारा नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है ताकि कार्य में किसी प्रकार की बाधा न आए और इसे निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जा सके।लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई के निर्देशनिगम प्रशासन ने जनगणना कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता पर सख्त रुख अपनाया है। नगर जनगणना अधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनगणना एक राष्ट्रीय महत्व का कार्य है, जिसमें कोई भी शासकीय कर्मचारी अपनी ड्यूटी से इनकार नहीं कर सकता।

रूंझ में हज़ारों विस्थापित आदिवासियों का छलका दर्द, जल-जंगल-ज़मीन की जंग जारी

विस्थापितों को उनका हक दिलाकर रहेंगे - अनीश खान

रूंझ डेम परियोजना का एक बार फिर रूका काम, बारिश के पहले अब शायद डेम का कार्य पूर्ण होना कुछ कह पाना कठिन

रूंझ डेम परियोजना का कार्य एक बार फिर रोका गया। जहां कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष व अन्य कांग्रेसी नेताओं के साथ आदिवासियों ने एक बार फिर अपनी मांगों को लेकर काम रोके जाने तथा इनकी मांगों को लेकर वहीं शासन के माध्यम से क्या तय हो पायेगा यह तो वक्त ही तय करेगा। पर यह निश्चित समय जो बारिश के पहले जहां डेम के कार्य को लेकर उम्मीद मानी जा रही थी प्रगति को लेकर वहीं काम रूक जाने स`अब बारिश के पहले डेम का बन पाना बमुश्किल आखिर कितनी बार डेमो को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी रहेगें जो अपने आप में बड़ा सवाल है। जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा भी जहां प्रदर्शनकारियों की मांगों को लेकर आगे बढ़ाया गया है देखना यह है कि आगे होता है क्या?

अजयगढ़।

रूंझ डेम परियोजना अंतर्गत विश्रामगंज में मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी जिला पन्ना के तत्वाधान में आयोजित श्विस्थापित किसान महापंचायतश में आदिवासियों के संघर्ष में शामिल होकर उनका दर्द महसूस किया, उनकी मांगे सुनी, सामूहिक उपस्थिति के बीच गांव हमारा, मनमानी तुम्हारी नहीं चलेगी के गगनभेदी नारों के बीच हजारों आदिवासियों और महिलाओं ने दो टूक प्रशासन को चेतावनी दी की हमारा हक दो या हमे फांसी दो उपस्थित ग्रामीणों ने बताया कि विकास के नाम पर कैसे उनके साथ बीजेपी सरकार द्वारा सियासी खेल खेला जा रहा है, उनकी दांव पर लगी आजीविका अब विकास की भेंट चढ़ रही है हमारी संस्कृति और विरासत अब डूबने की कगार पर खड़ी है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया की हमारी पीढ़ियों पुरानी पहचान मिटाने की साजिश रची जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन के पास प्रभावितों का सटीक डेटा तक नहीं है, फिर भी बुलडोजर तैयार हैं। जब तुम्हारे पास सर्वे नहीं, संख्या नहीं, तो किस आधार पर उजाड़ रहे हो हमारे घर? यह सवाल अब पन्ना की हवाओं में गूंज रहा है। अनीश खान की पहल पर जिला प्रशासन द्वारा दोबारा सर्वे के लिए मंगलवार को विश्रामगंज में ही कैंप लगाकर समस्या का समाधान करने का आश्वासन भी दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि इतनी कम राशि में तो झोपड़ी भी नहीं बनती, घर कैसे बनेगा? आज 2013 नहीं है 2026 है, जब केंद्र सरकार एक दिन में कमर्शियल सिलेंडर के दाम 933/रुपए बड़ा सकती है, ऊपर से महंगाई आसमान छू रही है तब यह मुआवजा ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। आज के आयोजन में रूंज डैम से प्रभावित ग्रामों की ग्राम सभा में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनीश खान, समाज सेवी अमित भटनागर सहित पूर्व जिला अध्यक्ष शिवजीत सिंह, शादाफ खान श्री राकेश गर्ग, श्री संतोष मिश्रा ,मार्तंड देव बुंदेला , राज बहादुर पटेल ,डॉक्टर कदीर खान, रमा बुंदेला,सौरभ सिंह, सुरेन्द्र सिंह, नरेन्द्र तिवारी, रिंकू खान, राजबहादुर यादव, वासुदेव बुंदेला, अकरम खान, रवि यादव, विकाश तिवारी, राकेश सोनकर, रज्जन यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायतों के माध्यम से कार्य योजना ग्रामों के विकास को लेकर ग्राम सभाओं का न होना अपने आप में बड़ा सवाल

जहां एक तरफ ग्रामसभा के निर्णय पर ही विकास को अंजाम दिया जाता है वहीं ग्राम सभायें ही ग्राम पंचायतों में खानापूर्ति फिर ग्रामीणों को कैसे विकास की योजनाओं को लेकर मिले जानकारी वहीं ग्रामो के विकास को लेकर आज भी कार्य योजनाओं को लेकर बड़ा सवाल।

पन्ना।

जिले में ग्राम पंचायतें जो भी विकास की कार्यों करती है जिसके लिए ग्राम सभा का प्रस्ताव आधार माना जाता है। पर यहां तो आधार में ही कहीं न कहीं मनमानी के हालात बने हुए है। अधिकत्तर पंचायतों में ग्राम सभाओं को लेकर महज ही खानापूर्ति की जाती है। ग्राम पंचायतों का कार्य सरपंच सचिव एक कार्य एजेन्सी बनकर कार्य करते है। ग्राम सभाओं का प्रस्ताव मनमाफिक कार्यों के लिए स्वयं ही तैयार कर लिये जाते है यह सबसे बड़ा सवाल है जहां ग्राम पंचायतो में ग्रामो के विकास को लेकर ग्राम सभाओं को जिम्मेदारी दी गई है वहां ग्राम सभायें ही नहीं हो पा रही है। मात्र कहीं न कहीं ग्राम सभाओं की कार्यवाहियों का उपयोग सरपंच सचिव अपने मनमाफिक कार्यवाही को अंजाम देने के लिए कार्य करते है। तभी तो ग्रामों के विकास में जरूरत जिन कार्यों को आम जनता के हित की होती है सायद ये कार्य सदैव के लिए अधूरे पड़े रहते है। कहने को तो सरकार के द्वारा ग्राम सभाओं में ही ग्राम के विकास के कार्यों को तय करने के लिए निश्चित किया गया पर जब ग्राम सभाये ही नहीं होती तो इसके हालात का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है उदाहरण के तौर पर केन बेतवा लिंक परियोजना में जो अंदोलन सामने आये इनमें सबसे बड़ा कार्य ग्राम सभाओं की कार्यवाही को लेकर सवाल खड़े हो गये है। आखिर कैसे प्रस्ताव पारित हो जाते है जब ग्राम सभायें ही नहीं होती ग्राम की जनता को पता ही नहीं होता आखिर ये कैसा मजाक। वहीं ग्राम सभाओं को सबसे महत्वपूर्ण अधिकार दिये गये। पर जब फर्जीकरण ही किया जा रहा है तो फिर जिम्मेदार कौन हो। कहने को तो रोजगार सहायक तथा सचिव शासन के द्वारा पंचायतो में जिम्मेदारी के लिए कार्य करते है पर सत्य तो ये है कि सरपंच से मिलकर ये सभी अपने ही इरादे के मनमाफिक कार्य एजेन्सी बनकर महज कार्य करने को जाने जाते है। जो कार्य स्वयं की हित व लाभ की होते है उन्हें प्रमुखता पर लिया जाता है। ग्राम सभाओं को कोई जानकारी नहीं होती ग्रामों में कितने कार्य हुए कौन से कार्य हुए वहीं ग्राम सभाओं को कार्यों की मूल्यांकन का अधिकार जो दिया गया वह भी कागजी कार्यवाही ही कह सकते है आम जनता से दूरी बनाकर रखा जाता है। आखिर यह गांवों में ग्राम सभाओं कराये जाने को लेकर अंधा खेल विकास के नाम पर महज एक ठेकेदारी के रूप में पंचायतों की भूमिका जिम्मेदार बेखबर।

सास की हत्या करने वाला दामाद 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार

पन्ना। पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशन में जिले में अपराध नियंत्रण एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत थाना बृजपुर पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस ने ग्राम उड़की में हुई महिला की हत्या के प्रकरण का त्वरित खुलासा करते हुए आरोपी दामाद को मात्र 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। दिनांक 01.05.2026 को फरियादी संजय राय, निवासी ग्राम उड़की द्वारा थाना बृजपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि शाम लगभग 07:30 बजे उनके दामाद संदीप विश्वास (निवासी ग्राम गोढा उसरार, जिला सतना) ने पारिवारिक विवाद के चलते अपनी सास रीता राय (उम्र 50 वर्ष) पर डंडे से जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने के कारण रीता राय की मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती वंदना सिंह एवं एसडीओपी पन्ना श्री राजीव सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बृजपुर के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्र किए गए तथा तकनीकी एवं मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी की घेराबंदी कर तलाश की गई। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी संदीप विश्वास को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि पारिवारिक विवाद एवं घरेलू तनाव के कारण उसने घटना को अंजाम दिया।

जप्त सामग्री-

पुलिस द्वारा आरोपी के मेमोरंडम कथन के आधार पर निम्नलिखित सामग्री जप्त की गई-

1. घटना में प्रयुक्त डंडा
2. हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (क्रमांक डच19छम8114)
3. खून से सनी शर्ट

विशेष योगदान-

इस कत्ल का सफल एवं त्वरित खुलासा करने में थाना प्रभारी बृजपुर उपनिरीक्षक शक्ति प्रकाश पाण्डेय, सउनि रावेन्द्र सिंह सउनि अयोध्या प्रसाद, प्रधान आरक्षक राजेश अहिरवार, आरक्षक दिलीप शर्मा, सुधीर अरजरिया, संजय, आरक्षक चालक संतोष तथा साइबर सेल टीम पन्ना की सराहनीय भूमिका रही।

देवरी गढ़ी चौवन टोला में बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही - लकड़ी के सहारे खींची लाइन से बड़ा हादसा टला, 5-7 मवेशियों की जान बची

देवेन्द्रनगर। देवेंद्रनगर तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम देवरी गढ़ी चौवन टोला में बिजली विभाग की गंभीर लापरवाही सामने आई है। यहां पिछले लगभग 10 वर्षों से बिजली के खंभों की जगह लकड़ी और बांस के सहारे तार खींचे गए हैं, जो कभी भी बड़े हादसे को न्योता दे सकते हैं। रविवार को दोपहर उस समय हड़कंप मच गया जब खेत में भैंस चर रही थी और अचानक किसी जानवर के लकड़ी के खंभे से टकराने पर शॉर्ट सर्किट हो गया। इससे बिजली के तार टूटकर खेत में गिर गए और नरवाई में आग लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार करंट की चपेट में आने से एक भैंस को झटके भी लगे। स्थिति गंभीर होते देख ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत बिजली सप्लाई बंद करवाई, जिससे बड़ा हादसा टल गया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते लाइट बंद नहीं होती, तो 5 से 7 भैंसों की मौत हो सकती थी और आसपास मौजूद लोगों की जान भी खतरे में पड़ सकती थी। आग ने कुछ समय के लिए विकराल रूप ले लिया, हालांकि हवा नहीं चलने के कारण ग्रामीणों ने मिलकर आग पर काबू पा लिया। इस दौरान कुछ आम के पेड़ भी आग की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गए। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि बार-बार शिकायत के बावजूद बिजली विभाग कोई ध्यान नहीं दे रहा है। एक ओर जहां सरकार मेंटेनेंस के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च करने का दावा करती है, वहीं दूसरी ओर गांव में आज भी जर्जर और अस्थायी व्यवस्था के सहारे बिजली आपूर्ति की जा रही है।

तेंदुए की दहाड़ से दहला हिनोती, पुलिया में घुसा शिकारी-घंटों की जद्दोजहद के बाद पिंजरे में कैद

अमानगंज। रविवार तड़के सुबह अमानगंज-छतरपुर मुख्य मार्ग पर स्थित हिनोती ग्राम में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक खतरनाक तेंदुआ रिहायशी इलाके के पास बनी पुलिया में जा घुसा। गांव के बीचों-बीच शिकारी की मौजूदगी से पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गईकृलोग घरों में कैद हो गए और सड़क पर सन्नाटा पसर गया। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी रवि सिंह जादोन एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी नितेश पटेल ने मोर्चा संभाला, वहीं डीएफओ की मौजूदगी में हाई-अलर्ट के बीच रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। रेस्क्यू टीम ने पुलिया के दोनों ओर जाल बिछाकर तेंदुए की घेराबंदी की और घंटों की मशक्कत के बाद उसे खदेड़ते हुए पिंजरे में कैद कर लिया। शाम करीब 5 बजे ऑपरेशन सफल हुआ, जिसके बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। वन विभाग ने तेंदुए को सुरक्षित रूप से जंगल में छोड़ दिया। ज्ञात हो कि पन्ना टाइगर रिजर्व से लगातार वन्यजीव बाहर निकलकर रिहायशी इलाकों में दहशत फैला रहे हैं। आए दिन तेंदुए, चीते और अन्य जंगली जानवर गांवों की सीमा तक पहुंच रहे हैं, जिससे लोगों में भय का माहौल गहराता जा रहा है। लगातार बढ़ती इन घटनाओं ने प्रशासन की तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ठोस और स्थायी कदम नहीं उठाए गए, तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। फिलहाल तेंदुआ भले ही जंगल लौट गया हो, लेकिन हिनोती और आसपास के गांवों में खौफ अब भी कायम है।

पन्ना पुलिस द्वारा देवेन्द्रनगर थाना अन्तर्गत अवैध शराब का परिवहन कर रहे 2 आरपियों के विरूद्ध की गई वैधानिक कार्यवाही

आरोपियों के कब्जे से 07 पेटी(63 लीटर) अवैध शराब कीमती करीब 30 हजार रुपये सहित परिवहन मे प्रयुक्त मोटर सायकिल की गई जप्त।

पन्ना। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू द्वारा जिले में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन एवं विक्रय में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वन्दना चौहान एवं समस्त एस.डी.ओ.पी. पन्ना के मार्गदर्शन में थाना स्तर पर विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया है। इसी तारतम्य में थाना प्रभारी देवेन्द्रनगर उनि. सन्तोष यादव को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि दो व्यक्ति मोटरसाइकिल से दौउवन टोला से गुखौर की ओर अवैध शराब का परिवहन कर रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम तत्काल मौके पर रवाना हई जहां मुखविर सूचना के आधार पर घेराबंदी के दौरान पुलिस टीम ने जयकुमार कुशवाहा (उम्र 42 वर्ष), पिता रामकुमार कुशवाहा, निवासी ग्राम गुखौर एवं विक्रम कुशवाहा (उम्र 19 वर्ष), पिता जयकुमार कुशवाहा, निवासी ग्राम गुखौर, थाना देवेन्द्रनगर को मोटरसाइकिल सहित अभिरक्षा मे लिया गया। तलाशी लेने पर आरोपियों के कब्जे से कुल 06 पेटी अवैध देशी शराब एवं 01 पेटी इग्लिश गोवा अवैध शराब (लगभग कुल 63 लीटर) बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 30000/- है। साथ ही परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल सहित कुल कीमती करीबन 80000/- का मशरूका जप्त किया गया। मामले में थाना देवेन्द्रनगर में अपराध क्रमांक 211/26, धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

सराहनीय योगदान-

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी देवेन्द्रनगर उनि. संतोष सिंह यादव, प्रधान आरक्षक लक्ष्मी यादव, धीरेंद्र सिंह, शंकर प्रताप सिंह बुंदेला, सत्येंद्र बागरी, आरक्षक बृजेंद्र रैकवार, रोहित बागरी, रोहित शिवहरे, महिला आर. दिव्या सिंह का सराहनीय योगदान रहा।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत पन्ना जिले में भव्य सामूहिक विवाह, झिन्ना धाम अजयगढ़ एवं जनपद पंचायत पन्ना में सजे वैवाहिक मंडप, मुख्य अतिथि रहे पूर्व मंत्री एवं विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह

पन्ना। सामाजिक समरसता, सहयोग और बेटी के सम्मान को समर्पित प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत पन्ना जिले में आज भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन अत्यंत गरिमामय और उत्सवपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। अजयगढ़ के प्रसिद्ध झिन्ना धाम तथा पन्ना जनपद पंचायत कार्यालय परिसर में आयोजित इस विशाल आयोजन में बड़ी संख्या में जोड़ों ने एक साथ वैवाहिक बंधन में बंधकर अपने नए जीवन की शुरुआत की। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री एवं पन्ना विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों के लिए एक सशक्त सहारा बनकर उभरी है। यह योजना न केवल आर्थिक सहयोग प्रदान करती है, बल्कि बेटियों के विवाह को सामाजिक सम्मान और गरिमा के साथ संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य हर बेटी को सम्मानपूर्वक जीवन की नई शुरुआत का अवसर देना है।समारोह के दौरान दोनों स्थानों पर भव्य वैवाहिक मंडप सजाए गए थे, जहां वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह की सभी रस्में पूरी कराई गईं। एक साथ कई जोड़ों के फेरे, जयमाला और अन्य रस्मों का दृश्य अत्यंत भावुक और प्रेरणादायक रहा। पूरे आयोजन स्थल पर पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुन, परिजनों की खुशियां और आशीर्वाद की गूंज ने माहौल को पूर्णतः उत्सवमय बना दिया।इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, जनपद पंचायत के अधिकारियों, महिला एवं बाल विकास विभाग के कर्मचारियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक गरिमा प्रदान की। सभी अतिथियों ने नवदंपत्तियों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद, समृद्ध और सफल वैवाहिक जीवन की कामना की।योजना के अंतर्गत पात्र कन्याओं को शासन की ओर से आर्थिक सहायता, गृहस्थी का आवश्यक सामान एवं अन्य उपहार सामग्री प्रदान की गई। इस सहायता से नवविवाहित जोड़ों को अपने जीवन की शुरुआत में सहूलियत मिलती है और आर्थिक बोझ भी कम होता है। अधिकारियों ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह को सरल, सुरक्षित और सम्मानजनक बनाना है, जिससे समाज में समानता और सामाजिक समरसता को बढ़ावा मिल सके। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की गई थीं। सुरक्षा व्यवस्था, भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया, जिससे किसी प्रकार की अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो। दोनों ही स्थलों पर कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ, जिसकी जिलेभर में सराहना की जा रही है।यह सामूहिक विवाह समारोह न केवल नवदंपत्तियों के लिए एक नई शुरुआत का प्रतीक बना, बल्कि समाज में सहयोग, एकता और बेटी के सम्मान के संदेश को भी मजबूती से स्थापित करता नजर आया। पन्ना जिले में इस प्रकार के आयोजन सामाजिक सरोकारों को सशक्त करने के साथ-साथ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की सार्थकता को भी प्रदर्शित कर रहे हैं।

कंकाली माता कुआं ताल में संपन्न हुआ मुख्यमंत्री विवाह निकाह कार्यक्रम

पवई। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग जन कल्याण विभाग के तत्वाधान में प्रदेश भर में मुख्यमंत्री कन्या विवाह निकाह योजना का संचालन किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत निर्धन और जरूरतमंद परिवारों की कन्याओं के सामूहिक विवाह के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है। इसी के तहत पवई जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बनौली के कुआं ताल स्थित कंकाली माता मंदिर परिसर में मुख्यमंत्री विवाह निकाह समारोह का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पवई विधायक प्रहलाद लोधी,विशिष्ट अतिथि श्रीमती मीना राजे पुष्पराज सिंह एवं श्रीमती मोहनी आनंद मिश्रा जनपद अध्यक्ष पवई की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पवई अखिलेश उपाध्याय एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व समीक्षा जैन के द्वारा किया गया। इस योजना के तहत लगभग 80 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। इस अवसर पर अतिथियों के द्वारा सभी नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान पवई विधायक जिला पंचायत अध्यक्ष और जनपद पंचायत अध्यक्ष ने प्रदेश की भाजपा सरकार के द्वारा निर्धन बेटियों एवं गरीब बेटियों के लिए चलाई जा रही योजना के बारे में जनता के सामने रखा और सरकार की उपलब्धियां को गिनाया, साथ ही उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हमेशा गरीब निर्धन के साथ खड़ी है। हमारे होते हुए किसी भी गरीब की बेटी के विवाह में किसी प्रकार की कोई बाधा नहीं आएगी इसकी सारी जिम्मेदारी हमारी है। सरकार बेटी के जन्म से लेकर उसकी शिक्षा और विवाह तक की सारी जिम्मेदारी ले रखी है।चाहे लाडली लक्ष्मी योजना हो या फिर मुख्यमंत्री विवाह कन्या योजना से लोगों में बेटियों के प्रति रूढ़िवादी सोच को मिटाने में कारगर सिद्ध हुई है।

खबर संक्षेप

कमल के फूल तोडऩे गई किशोरी की दर्दनाक मौत, तीन बच्चे बाल-बाल बचे

चन्दला। क्षेत्र के सिंहपुर गांव में रविवार दोपहर एक दिल दहला देने वाली घटना घटी है। कमल के फूल तोडऩे के चक्कर में 11 वर्षीय बालिका रजनी तालाब में डूब गई। घटना में उसके तीन छोटे भाई-बहन बाल-बाल बचे, लेकिन रजनी को बचाया नहीं जा सका। पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

रजनी ग्वाला भाट निवासी रामकरण राजपूत की बेटी थी। जानकारी के अनुसार, रजनी आज दोपहर करीब 12 बजे अपने छोटे भाई-बहनों के साथ गांव के पास स्थित तालाब पर मवेशियों को पानी पिलाने गई थी। तालाब में खिले कमल के फूल देखकर बच्ची मंत्रमुग्ध हो गई और उन्हें तोडऩे की लालच में पानी में उतर गई। अचानक गहरे गड्ढे और दलदल में फंसकर रजनी डूबने लगी। उसके शोर पर ग्रामीणों ने दौड़कर बाकी तीन बच्चों को तो सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन रजनी पूरी तरह पानी में समा चुकी थी। ग्रामीणों ने तुरंत 112 पर सूचना दी। 112 टीम की मदद से रजनी को तालाब से निकाला गया और उसे चन्दला स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए शुरू हुआ शीतल मटका प्याऊ

छतरपुर। भीषण गर्मी के बीच आम यात्रियों को राहत देने के उद्देश्य से छतरपुर सिविल सोसाइटी द्वारा महाराजा छत्रसाल रेलवे स्टेशन पर निःशुल्क शीतल पेयजल प्याऊ की व्यवस्था की गई है। इस पहल के तहत यात्रियों को देशी मटकों का ठंडा और शुद्ध पानी बिना किसी अतिरिक्त खर्च के उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे खासतौर पर जनरल डिब्बों में सफर करने वाले यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। प्याऊ का शुभारंभ सचिव विधिक सेवा प्राधिकरण न्यायाधीश विष्णु प्रसाद सोलंकी के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर प्रो. सुरेंद्र सिन्हा, बीपी सिंह (प्रांतीय उपाध्यक्ष, प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन), अजय गुप्ता (सेवानिवृत्त डिप्टी कमिश्नर परिवहन) एवं स्वतंत्र पाटकर (वाणिज्य इंस्पेक्टर) सहित अन्य अतिथियों ने यात्रियों को शरबत पिलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। सिविल सोसाइटी के संयोजक शंकरलाल सोनी एवं पंकज जैन ने बताया कि ट्रेनों के स्टेशन पर कम समय रुकने के कारण यात्रियों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्याऊ को ऐसे स्थान पर स्थापित किया गया है, जहां जनरल कोच रुकते हैं, ताकि अधिक से अधिक यात्रियों को इसका लाभ मिल सके। न्यायाधीश विष्णु प्रसाद सोलंकी ने इस कार्य की सराहना करते हुए इसे समाजहित में एक सराहनीय पहल बताया। वहीं रेलवे वाणिज्य इंस्पेक्टर स्वतंत्र पाटकर ने रेलवे की ओर से सिविल सोसाइटी का आभार व्यक्त करते हुए मटकों में नियमित पानी भरवाने का आश्वासन दिया। इस दौरान पेंशनर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष बीपी सिंह ने जानकारी दी कि शीघ्र ही रेलवे स्टेशन के दूसरे छोर पर भी एक और प्याऊ शुरू किया जाएगा, जिससे और अधिक यात्रियों को सुविधा मिल सके।

रजत सकलेचा बने नए एसपी, अगम जैन का तबादला खंडवा एसपी के रूप में किया गया

छतरपुर।

राज्य सरकार द्वारा किए गए हालिया प्रशासनिक फेरबदल के तहत रजत सकलेचा को जिले का नया पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। तो वहीं वर्तमान पुलिस अधीक्षक अगम जैन का तबादला खंडवा पुलिस अधीक्षक के रूप में राज्य शासन ने किया है। रजत सकलेचा को एक सख्त और कर्मठ अधिकारी के रूप में जाना जाता है। उनके जिले में पदभार संभालने के बाद कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने तथा अपराधों पर नियंत्रण की दिशा में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है। रतलाम में जन्मे और पले-बढ़े रजत सकलेचा ने अपने दादा बापूलाल सकलेचा का सपना पूरा करते हुए आईपीएस अधिकारी बनकर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है। उनकी कार्यशैली, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता के कारण वे हमेशा चर्चा में रहे हैं। मंडला पुलिस अधीक्षक रहे रजत सकलेचा का ट्रांसफर राज्य शासन ने पुलिस अधीक्षक के रूप में छतरपुर जिले में किया गया है। अब छतरपुर के एसपी के रूप में उनकी नियुक्ति जिले के लिए नई ऊर्जा और मजबूत कानून व्यवस्था की उम्मीद लेकर आई है। जनता को उनसे न्यायप्रिय, सख्त और संवेदनशील प्रशासन की आशा है। रजत सकलेचा की यह उपलब्धि युवाओं के लिए प्रेरणा है कि मेहनत और लगन से कोई भी सपना पूरा किया जा सकता है। बताया जा रहा कि मंगलवार को छतरपुर पुलिस अधीक्षक का पदभार संभालेंगे रजत सकलेचा।

छतरपुर-पन्ना में पुलिस की कमान पति-पत्नी के हाथ -

सागर संभाग के 2 जिलों छतरपुर और पन्ना में पुलिस व्यवस्था की जिम्मेदारी अब एक अनोखी जोड़ी संभालेगी। हालिया प्रशासनिक फेरबदल में छतरपुर जिले की कानून व्यवस्था रजत सकलेचा पुलिस अधीक्षक के हाथों में होगी। श्रीमती नायडू पुलिस अधीक्षक पन्ना पहले से पदस्थ हैं। जानकारी के अनुसार छतरपुर जिले में पति को पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि पन्ना जिले की कमान उनकी पत्नी के हाथों में दी गई है। दोनों अधिकारी अपने सख्त और प्रभावी कार्यशैली के लिए जाने जाते हैं। इस नियुक्ति के बाद संभाग में चर्चा का विषय बना हुआ है। लोगों का मानना है कि पति-पत्नी के रूप में दोनों अधिकारियों के बीच बेहतर तालमेल से अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था और पुलिसिंग में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकता है।

मिश्रित रहा अगम जैन का कार्यकाल, सख्ती के बावजूद बड़ा अपराधों का ग्राफ -

जिले में पुलिस अधीक्षक के रूप में अगम जैन का कार्यकाल मिश्रित परिणामों वाला रहा। पदभार संभालने के बाद उन्होंने पुलिस महकमे में अनुशासन और कसावट लाने के प्रयास किए तथा अपराधों पर नियंत्रण के लिए कई पहल शुरू कीं। उनकी ईमानदार और साफ-सुथरी छवि भी चर्चा में रही। हालांकि, जिन उम्मीदों के साथ आमजन उनके कार्यकाल को देख रही थी, उन पर वे पूरी तरह खरे नहीं उतर पाए। इस दौरान अपराधों का ग्राफ बढ़ा और कई गंभीर मामले लंबे समय तक अनसुलझे रहे। साथ ही पुलिस हिरासत में हुई कुछ मौतों ने भी व्यवस्था पर सवाल खड़े किए। सूत्रों के अनुसार, उनकी सीधी कार्यशैली का अधीनस्थ अमले ने कहीं न कहीं लाभ उठाया, जिससे थानों में अव्यवस्था और अनियमितताओं की शिकायतें सामने आती रहीं। पिछले कुछ दिनों से उनके स्थानांतरण की चर्चाएं तेज थीं, जिस पर 3 मई की देर रात जारी आईपीएस तबादला सूची ने मुहर लगा दी। अगम जैन का तबादला खंडवा एसपी के रूप में किया गया है। शासन ने उनके अनुभव और कार्यक्षमता पर भरोसा बनाए रखते हुए उन्हें पुनः एसपी का दायित्व सौंपा है।

फर्जी पंजीयन के सहारे खरीदी केंद्रों पर दबाव, बड़े किसानों पर अव्यवस्था फैलाने के आरोप

फर्जी पंजीयन का खेलः कागजों में 'जमीन के रखवा' हकीकत में सैकड़ों क्विंटल का फर्जी

छतरपुर। समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी कहीं ना कहीं विवादों से घिरी रहीं है गिरदावली से लेकर पंजीयन और अब स्लॉट बुक वा गेहूं बेचने तक भारी विवाद देखने को मिल रहे है। शासन ने शुरू में छोटे छोटे रकवे बाले किसानों के स्लॉट बुक करने की शुरूवात की थी, हालांकि असली किसान वही थे, अब तो फर्जी पंजीयनो के आधार पर स्लॉट बुक कर किसानों के स्थान पर व्यापारियों का गेहूं तोला जा रहा है।

जिले में पंजीयन व्यवस्था में बड़े फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है, जहां कागजों में बड़े-बड़े जमीन के रखवा (भंडारण/उत्पादन क्षमता) दर्शाकर सैकड़ों क्विंटल गेहूं का पंजीयन किया गया है। सेकड़ों ऐसे पंजीयन पाए गए हैं जिनमें जमीन और उत्पादन क्षमता का आंकड़ा वास्तविकता से कहीं अधिक दिखाया गया है। सूत्रों की मानें तो इस फर्जी पंजीयन के जरिए शासकीय खरीदी और अन्य योजनाओं का लाभ लेने की कोशिश की जा रही है। इसमें संबंधित विभाग के कुछ कर्मचारियों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं, जिनकी मिलीभगत से यह पूरा खेल संचालित होने की आशंका जताई जा रही है, जो कि जांच का विषय है।

जिले के विभिन्न गेहूं खरीदी केंद्रों पर फर्जी पंजीयन का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। आरोप है कि कुछ बड़े किसान

कथित रूप से गलत पंजीयन के आधार पर बड़ी मात्रा में गेहूं बेचने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे केंद्रों पर अव्यवस्था की स्थिति बन रही है। खरीदी केंद्रों पर किसानों की लंबी कतारें लग रही हैं, वहीं पंजीयन संबंधी गड़बड़ियों के चलते वास्तविक किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर क्षमता से अधिक मात्रा में गेहूं लाने से तौल और भंडारण व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। जिला प्रशासन को एक टीम गठित कर फर्जी पंजीयनों की जांच करना चाहिए, ताकि समय रहते इस प्रकार क़े भ्रष्टाचार में लगाम लग सके।

शासन द्वारा स्लॉट बुक करने की अंतिम तिथि 9 मई से बढाकर 23 मई कर दी गई है। देखा जा रहा है कि कई किसान ऐसे है कि जो अन्य किसानो का रकबा दर्शाकर पंजीयन कराए हुए है और अपने पंजीयन के नाम पर व्यापारियों का गेहूं समर्थन मूल्य पर बेच रहे है। यह भी सुना गया है कि कुछ बड़े बड़े कास्तकार है लेकिन उनके पास रकबे के हिसाब से गेहूं की पैदावार नही हुई है इसलिए वह गांव गांव जाकर छोटे छोटे किसानों का गेहूं 2200-2250 रूपए प्रति क्विंटल खरीद रहे है और अपने पंजीयन पर खरीदी केंदो में समर्थन मूल्य पर 2625 में भेज रहे हैं। जिसमें समिति प्रबंधक भी 20 से 30 रुपए छनाई, तुलाई के नाम पर प्रति क़्वान्टल ले रहे हैं।

महेश्वरी रोड लाइन्स और सम्बंधित विभाग की लापरवाही उजागर -

प्रशासन द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीदें गए गेहूं के परिवहन के लिए बकायदा ठेके दिए गए है। लेकिन महेश्वरी रोड लाइन्स और विभाग की लापरवाही क़े चलते परिवहन ठेकेदार गेहूं के परिवहन में लापरवाही बरत रहा है। इसलिए गेहूं का परिवहन प्रशासन के लिए चुनौती बना हुआ है परिवहन में बिलम्ब के कारण ही हजारों मीट्रिक टन गेहूं परिवहन केन्द्रों मे भीग गया यदि समय पर परिवहन कर दिया जाता तो यह स्थिति नहीं बनती। किसान ने अपना गेहूं तो बेच दिया लेकिन परिवहन के अभाव में यह गेहूं केन्द्रों में भीग गया। इससे शासन को भारी क्षति पहुंच रही है परिवहन ठेकेदारों के विरूद्व शक्ति होनी चाहिए ताकि वह समय से गेहूं का परिवहन हो सके।

पुलिस ने अवैध हथियार निर्माण नेटवर्क का किया भंडाफोड़, पांचवां आरोपी रोहित राजा गिरफ्तार

छतरपुर। जिला पुलिस द्वारा अवैध हथियारों के विरुद्ध चलाए जा रहे निरंतर अभियान के अंतर्गत थाना कोतवाली पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने अवैध हथियार निर्माण और खरीद-बिक्री की कड़ी से जुड़े पांचवें फरार आरोपी रोहित राजा पिता गुमान सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी

के पास से पुलिस ने एक देशी बंदूक और दो देशी कट्टे बरामद किए हैं। गौरतलब है कि रोहित राजा पूर्व में भी अवैध शराब के मामलों में लिप्त रहा है। इस पूरी कार्रवाई के दौरान अब तक हथियार निर्माण की दो अवैध फैक्टरियों का खुलासा हुआ है, जहाँ से भारी मात्रा में असलहा और निर्माण सामग्री जब्त की गई है।

रविवार को पुलिस कंट्रोल रूम में पुलिस अधीक्षक अगम जैन ने बताया कि इस सघन कार्रवाई में अब तक कुल 2 फैक्टरियों से एक देशी बंदूक, 6 देशी कट्टे, एक अधबनी पिस्टल, एक अधबना कट्टा और कारतूस बरामद किए गए हैं। इसके अतिरिक्त हथियार बनाने में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न प्रकार के उपकरण और संसाधन भी जब्त हुए हैं। इससे पहले पुलिस ने इस गिरोह के मुख्य निर्माताओं संदीप रैकवार निवासी दिलनिया और राम प्रसाद विश्वकर्मा उर्फ मुन्ना निवासी मऊसानिया को गिरफ्तार किया था, जिनसे 315 बोर के कट्टे और मशीनें बरामद हुई थीं। साथ ही हथियार खरीदने वाले दो अन्य आरोपियों सुनील अहिरवार और कल्लू पाल को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

जेवर और नकदी के लिए दामाद ने की सास की हत्या, पुलिस ने आरोपी को दबोचा

छतरपुर। जिला पुलिस ने गुलगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई एक वृद्ध महिला की अंधी हत्या की गुत्थी को सुलझाते हुए आरोपी दामाद को गिरफ्तार कर लिया है। यह सनसनीखेज मामला पैसों और जेवरों के लालच से जुड़ा है, जिसमें एक व्यक्ति ने अपनी ही सास को मौत के घाट उतार दिया।

रविवार को पुलिस कंट्रोल रूम में घटना का खुलासा करते हुए एसपी अगम जैन ने बताया कि बीते 8 अप्रैल 2026 को देवरी जंगल के पास धसान नदी के किनारे एक अज्ञात वृद्ध महिला का शव मिलने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही थाना गुलगंज पुलिस और एफएसएल की टीम ने मौके पर पहुँचकर साक्ष्यों को एकत्रित किया। मृतका की पहचान भंती कुशवाहा के रूप में हुई। मर्ग जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला

दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक अगम जैन के निर्देशन और आला अधिकारियों के मार्गदर्शन में गठित टीम ने संदेह के आधार पर मृतका के दामाद मूलचन्द्र कुशवाहा, निवासी सटई को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

सघन पूछताछ के दौरान आरोपी मूलचन्द्र ने अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया कि उसने आभूषण और नकदी हड़पने के लालच में इस जघन्य हत्याकांड को अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी अर्पित पारासर सहित एफएसएल अधिकारी और पुलिस बल की मुख्य भूमिका रही, जिन्होंने तकनीकी साक्ष्यों की मदद से आरोपी तक पहुँचने में सफलता हासिल की।

शराब दुकान पर हमला, पत्थर-लाठियों से तोड़फोड़; दो आरोपी हिरासत में

छतरपुर। जिले के बड़ामलहरा थाना क्षेत्र में शराब दुकान पर हुए हमले से इलाके में हड़कंप मच गया। अज्ञात हमलावरों ने दुकान पर पत्थरों और लाठियों से हमला करते हुए जमकर तोडफ़ोड़ की। इस दौरान दुकान के बाहर खड़ी चारपहिया वाहनों को भी नुकसान पहुंचाया गया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है और तनाव की स्थिति बनी हुई है।

मामले में कन्हैया, दिलीप, मनीष, शिवा, दीपेश और बुडु यादव सहित अन्य लोगों के खिलाफ दुकान में घुसकर तोडफ़ोड़, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया गया है। घटना का सीसीटीव्ही फुटेज और हमलावरों की तस्वीरें भी सामने आई हैं, जिसके आधार पर पुलिस जांच में जुटी हुई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों कन्हैया और बुद्धु यादव को हिरासत में ले लिया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। बताया जा रहा है कि क्षेत्र में पहले से चल रहे विवाद के चलते यह घटना सामने आई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सीसी अरुण कुमार सोनी ने इस मामले में जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस में मामला दर्ज कर लिया है और दो लोगो को गिरफ्तार किया गया है।

मंदिर के चंदे में गेहूं कम देने पर खूनी संघर्षः दबंगों ने एक ही परिवार के 5 लोगों को लाठी-डंडों से पीटा

छतरपुर। धार्मिक आयोजनों में शामिल होकर दान पुण्य करना व्यक्ति की आस्था और श्रद्धा के अंतर्गत आता है। इस तरह के पुनीत कार्यों में जोर जबर्दस्ती का कोई स्थान नहीं होता। लेकिन छतरपुर के थाना सिविल लाइन अंतर्गत ग्राम महाराजगंज में आस्था और दान के नाम पर अमानवीयता का एक गंभीर मामला सामने आया है। यहाँ मंदिर के लिए दो क्विंटल गेहूं का दान न दे पाने पर गांव के ही कुछ दबंगों ने एक ही परिवार पर लाठी-डंडों और पत्थरों से जानलेवा हमला कर दिया। इस हिंसक वारदात में महिलाओं और किशोरों सहित परिवार के पांच सदस्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनका जिला अस्पताल में उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम महाराजगंज निवासी 55 वर्षीय कुरा अहिरवार अपने परिवार के साथ घर पर थे, तभी गांव के श्याम पटेल, हरदयाल पटेल, कृपाल पटेल,

राजा भैया पटेल और श्रीपत पटेल उनके घर पहुंचे। आरोपियों ने मंदिर के नाम पर दो क्विंटल गेहूं की मांग की। जब कुरा अहिरवार और उनके परिजनों ने अपनी आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए दो क्विंटल के बजाय एक क्विंटल गेहूं देने की बात कही, तो आरोपी भड़क गए। प्रत्यक्षदर्शियों और पीड़ितों के अनुसार, आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और देखते ही देखते लाठी-डंडों व पत्थरों से पूरे परिवार पर हमला बोल दिया। इस हमले में कुरा अहिरवार (55), उनकी पत्नी गिरजा अहिरवार (53), पुत्र वीरेंद्र अहिरवार (26), अमर अहिरवार (15) और रिश्तेदार छिद्दी अहिरवार (45) को गंभीर चोटें आई हैं। घटना के तुरंत बाद लहूलुहान हालत में परिजन घायलों को लेकर सिविल लाइन थाने पहुंचे, जहां पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस द्वारा सभी घायलों को मेडिकल परीक्षण और उपचार के लिए छतरपुर जिला अस्पताल भेजा गया है। सोशल मीडिया पर घटना से जुड़ा वीडियो भी सामने आया है, जिसके बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है। प्रशासन ने मामले में उचित कानूनी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

पेड़ कटवाते समय गिरने से किसान की दर्दनाक मौत

छतरपुर। बंसिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पचबरा में आज सुबह एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहाँ अपने ही खेत पर पेड़ कटवा रहे एक 56 वर्षीय व्यक्ति की गिरने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम पचबरा निवासी माताप्रसाद दीक्षित पिता श्याम बिहारी आज सुबह करीब 9:00 बजे अपने खेत पर पेड़ कटवा रहे थे। काम के दौरान पेड़ काट रहे मजदूर ने सुरक्षा की दृष्टि से माताप्रसाद को पेड़ से दूर हटने के लिए कहा। जैसे ही वे पीछे हटने लगे, तभी अचानक उनका पैर खेत में पड़े एक पत्थर में फंस गया और वे अनियंत्रित होकर जमीन पर गिर पड़े। दुर्भाग्यवश गिरते समय उनका सिर जमीन पर मौजूद एक अन्य पत्थर से जोर से टकरा गया, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई। आनन-फानन में परिजन उन्हें निजी वाहन की मदद से जिला अस्पताल छतरपुर लेकर पहुंचे, जहाँ इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण के उपरांत उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रबंधन की सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

खनिक अभिनंदन दिवस-2026 के अवसर पर सम्मानित हुए उत्कृष्ट कोयला क्षेत्र, इकाई एवं कर्मी

एनसीएल में शुक्रवार को खनिक अभिनंदन दिवस-2026 के अवसर पर विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कोयला क्षेत्रों, इकाइयों व कर्मियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान सभी एनसीएल परियोजनाओं को विभिन्न मानकों पर दो श्रेणियों (ए और बी) में बांटा गया था। पहली श्रेणी में सालाना 15 मिलियन टन से अधिक तथा दूसरी श्रेणी में 15 मिलियन टन से कम कोयला उत्पादन करने वाले क्षेत्रों को रखा गया। सर्वाधिक कोयला उत्पादन के लिए ग्रुप ए में जयंत तथा ग्रुप बी में बीना और सर्वाधिक विभागीय अधिभार हटाव के लिए दूधीचुआ (ग्रुप ए) एवं बीना क्षेत्र (ग्रुप बी) को सर्वश्रेष्ठ परियोजना के रूप में चुना गया। विगत वर्ष की तुलना में वर्ष 2025-26 में कोयला उत्पादन में अधिकतम प्रतिशत वृद्धि के लिए श्रेणी ए में जयंत तथा श्रेणी बी में ब्लॉक-बी, तथा विगत वर्ष की तुलना में वर्ष 2025-26 में कोयला प्रेषण में अधिकतम प्रतिशत वृद्धि के लिए श्रेणी ए में दूधीचुआ एवं श्रेणी बी में ब्लॉक-बी परियोजना को सम्मानित किया गया। विगत वर्ष की तुलना में विभागीय अधिभार हटाव में अधिकतम प्रतिशत वृद्धि के लिए अमलोरी व बीना को पुरस्कृत किया गया। सर्वाधिक क्षमता उपयोगिता के लिए जयंत व झिंगुरदा, विगत वर्ष की तुलना में कोयला स्टॉक में सर्वाधिक प्रतिशत कमी के लिए अमलोरी व झिंगुरदा, कोयले के प्रतिशत ग्रेड की स्वीकृति के लिए खड़िया व ब्लॉक-बी, सर्वाधिक विभागीय ओएमएस के लिए जयंत व बीना, प्रति टन न्यूनतम उत्पादन लागत की श्रेणी में जयंत व कृष्णशिला, सर्वाधिक अनुमानित लाभप्रदता के लिए जयंत व कृष्णशिला चयनित हुए। पूर्व वर्ष की तुलना में डीजल खपत में सर्वाधिक प्रतिशत कमी के लिए दूधीचुआ व झिंगुरदा, न्यूनतम बिजली खपत में अमलोरी व बीना पुरस्कृत हुए। पाउडर फैक्टर की श्रेणी में कोयले के लिए खड़िया व झिंगुरदा,

अधिभार हटाव (शॉवेल-डंपर) के लिए जयंत व ककरी, अधिभार हटाव (ड्रैगलाइन) के लिए दूधीचुआ व बीना पुरस्कृत हुए। भारी मशीनों की सर्वाधिक उपलब्धता की श्रेणी में ड्रैगलाइन के लिए अमलोरी एवं बीना, शॉवेल के लिए दूधीचुआ व ब्लॉक-बी तथा डंपर के लिए दूधीचुआ व झिंगुरदा विजेता बनी। भारी मशीनों की सर्वाधिक उपयोगिता की श्रेणी में ड्रैगलाइन के लिए खड़िया एवं बीना, शॉवेल के लिए जयंत व ब्लॉक-बी तथा डंपर के लिए जयंत व झिंगुरदा ने बाजी मारी।पूर्व वर्ष की तुलना में शॉवेल-डंपर प्रणाली की क्षमता के उपयोग में सर्वाधिक प्रतिशत वृद्धि के लिए अमलोरी व ब्लॉक-बी विजेता बने। निगमित सामाजिक दायित्व के बजट के सर्वाधिक प्रतिशत उपयोग के लिए खड़िया को पुरस्कार से नवाजा गया । बजट के सापेक्ष सर्वाधिक प्रतिशत पूंजीगत व्यय के लिए (ग्रुप बी) कृष्णशिला, सर्वाधिक अवधि के लिए शून्य दुर्घटना की श्रेणी में खड़िया व बीना को चुना गया। पिछले पांच वर्ष में न्यूनतम/शून्य दुर्घटना के लिए खड़िया व झिंगुरदा को विशिष्ट पुरस्कार दिया गया। पर्यावरण मानकों के बेहतरीन अनुपालन के लिए अपनी-अपनी श्रेणियों में खड़िया व ब्लॉक-बी, सर्वश्रेष्ठ औद्योगिक सम्बन्ध के लिए (ग्रुप बी से) बीना पुरस्कृत हुए। इसके साथ ही अमलोरी व ककरी को विगत वर्ष की तुलना में इन्वेंटरी में सर्वाधिक प्रतिशत कमी के लिए विशिष्ट पुरस्कार से नवाजा गया। इस अवसर पर एनसीएल की विभिन्न इकाइयों को अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया । कार्यक्रम में एनएससी को सीएसआर बजट के शत-प्रतिशत से अधिक उपयोग के लिए वहीं, सीडब्ल्यूएस, जयंत को जेम पोर्टल के माध्यम से वस्तुओं एवं सेवाओं की सर्वाधिक खरीद के लिए सम्मानित किया गया । इसके अतिरिक्त, एनसीएल मुख्यालय को औद्योगिक संबंधों के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य लिए 'आईआर एक्सीलेंस अवार्ड' से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु 60 से अधिक कर्मियों एवं संविदा कर्मियों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विगत वर्ष 2025-26 में आयोजित विभिन्न कोल इंडिया अंतर कंपनी स्तरीय स्पोर्ट्स स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक या प्रथम स्थान तथा ऑल इंडिया पब्लिक सेक्टर स्पर्धा में विजेता स्थान अर्जित करने वाले विभिन्न खिलाड़ियों को भी पुरस्कृत किया गया।

बीहर नदी किनारे अवैध निर्माण का खेल जारी

ग्रीन बेल्ट में बन गया पार्टी लॉनशाही रिवर व्यू और शांति विला पर कार्रवाई के बाद भी नहीं थमा अतिक्रमण

नदी पाटकर बढ़ाया जा रहा निर्माण

खतरे के बीच हो रहे आयोजन, प्रशासन की सख्ती बेअसर

रीवा। नदी के किनारे अवैध निर्माण पर रोक नहीं लग पाई है। करहिया ग्राम पंचायत में जिस शाही रिवर व्यू को अवैध घोषित किया गया था। उसी कालोनी में नदी के किनारे ग्रीन बेल्ट में पार्टी लॉन तैयार कर दिया गया है। अब पार्टियां नदी के किनारे बनाए गए इसी लॉन में हो रही हैं। कलेक्टर की सख्ती के बाद भी कालोनाइजरों के अवैध काम पर रोक नहीं लग पा रही है,बीहर नदी को कालोनाइजर प्रभावित कर रहे हैं। नदी का किनारा पाट कर कालोनियां बना रहे हैं। कांक्रीट की दीवार खड़ी कर रहे हैं। नदी के किनारे ग्रीन बेल्ट में कालोनी बसाने के मामले में ही रीवा की तत्कालीन कलेक्टर ने दो कालोनियों पर कार्रवाई की थी। शांति विला और शाही रिवर व्यू के संचालक के खिलाफ एफआईआर के निर्देश दिए थे। दोनों ही कालोनी को अवैध घोषित कर दिया था। इन पर कब्जा लेने के आदेश भी दिए थे। हालांकि इस सख्ती के बाद भी अवैध निर्माण का सिलसिला रुका नहीं है। जितनी तेजी से प्रशासन सख्ती बरत रही। उसी तेजी से कालोनाइजर ग्रीन बेल्ट पर अतिक्रमण बढ़ा रहे हैं। ग्राम पंचायत करहिया में ही नदी के ठीक किनारे और बीहर पुल के पास ही एक शाही रिवर व्यू कालोनी बसाई गई है। इस कालोनी में ही नाला पर दीवार खड़ी कर पास ही राजघराना होटल बनाया गया है। इस होटल की नाला पर खड़ी दीवार पहले से ही क्षतिग्रस्त हो गई थी। उसे सुधारने के बाद अब अतिक्रमण का दायरा नदी की तरफ बढ़ा दिया गया है। जिला प्रशासन की रोक के बाद भी हाल ही में नदी की तरफ कमरों का निर्माण कार्य कराया गया। बात यहीं तक सीमित नहीं रही। दिन रात बराबर नदी के किनारे का हिस्सा मलवा से पाटा गया। पाटने के बाद अब मौके पर पार्टी लॉन तैयार कर दिया गया है। नदी के ग्रीन बेल्ट को पार्टी के लिए तैयार किया गया है। इसे बकायदा सजाया गया है। लोहे की ग्रिल से चारों तरफ घेरा गया है। यह निर्माण जिला प्रशासन की कार्रवाई और अधिकारियों को मुंह चिढ़ाने के लिए काफी है।लोगों की जान को खतरे में डाल रहेबारिश में यह नदी पूरी तरह उफान पर रहती है। बारिश का पानी ऊपर तक चढ़ जाता है। शाही रिवर व्यू का इंट्रेस तक इस बारिश और बाढ़ से भर जाता है। ऐसे में जहां पर लान बनाया गया है, वह नदी का ग्रीन बेल्ट है। यहां पर किसी तरह का निर्माण नहीं किया जा सकता लेकिन राजघराना होटल के संचालक ने नियम विरुद्ध कार्य कराया। यहां पार्टी और अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इससे लोगो की जान को भी जोखिम में डालने का काम किया जा रहा है।वार्ड नंबर 6 में खड़ी कर दी दीवारकरहिया ग्राम पंचायत में नदी के एक तरफ तो दो कालोनियों में नियमों को तोड़ कर कालोनियां बसाई ही थी। अब इनमें से एक ने नगर निगम क्षेत्र में भी यही काम करना शुरू कर दिया है। उपेन्द्र सिंह के खिलाफ एक शिकायत नगर निगम महापौर के पास पहुंची है। उन्होंने वार्ड क्रमांक 6 में एक रिसोर्ट बनाया है। यह भी नदी के किनारे बना है। नदी के किनारे ग्रीन बेल्ट में कांक्रीट की दीवार शांति विला की तरह ही खड़ी की गई है। इस पर अभी तक कोई एक्शन नहीं लिया गया है।

नगर की प्राचीन अजब कुँवरी बाबड़ी की साफ-सफाई हेतु श्रमदान कार्य प्रारंभ

रीवा ।

शासन की मंशानुरूप प्राचीन जल संरचनाओं के संरक्षण व संवर्धन के उद्देश्य के साथ संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रीवा नगर की 362 वर्ष प्राचीन ऐतिहासिक अजब कुंवरी बावड़ी के संरक्षण व स्वच्छता का अभियान प्रारम्भ किया गया। अभियान के तहत विगत दिनों म.प्र. जन अभियान परिषद के संयोजन में सुबह 6 बजे से अजब कुंवरी बाबडी संरक्षण अभियान का शुभारंभ संभाग समन्वयक प्रवीण पाठक के समन्वय में शुरू किया गया। उन्होंने स्वयं उपस्थित होकर बावड़ी स्वच्छता हेतु श्रमदान किया और उपस्थित नवांकुर और प्रस्फुटन समितियों तथा नगर निगम स्वच्छता कार्यकर्ताओं के समक्ष बावड़ी के एतिहासिक और प्राकृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। स्वच्छता अभियान के तृतीय दिवस पर अजब कुंवरी बावड़ी में रीवा नगर के विभिन्न सामाजिक संगठनों ने उपस्थित होकर श्रमदान किया तथा संकल्प लिया कि बावड़ी का स्वच्छ करेंगे। श्रमदान कार्यक्रम में नगर निगम रीवा की स्वच्छता टीम के कार्यकर्ताओं द्वारा भी बढचढ कर भाग लिया गया। नगर निगम स्वच्छता श्री मुरारी व श्री परमार तथा वार्ड 27 के पार्षद मनीष नामदेव ने श्रमदान के साथ-साथ पूरी टीम को प्रेरित किया। श्रमदान में विकास खंड समन्वयक अमित अवस्थी ने उपस्थित जन समुदाय का आभार व्यक्त किया। श्रमदान कार्यक्रम में नवांकुर संस्था नव्य निकुंज, बेनिसन हेल्पिंग सोसाइटी, पर्यावरण वाहिनी व सरक्षण समिति, वार्ड 28 नगर प्रस्फुटन समिति के सदस्य गणों ने भी विशेष भूमिका निभाई। श्रमदान अभियान सुबह 6 बजे से 8 बजे तक प्रतिदिन चलेगा।सम्भागीय समन्वयक ने सभी नागरिकों से श्रमदान कार्यक्रम में भागीदारी करने की अपील की है।

पूजन सामग्री की दुकान में लगी भीषण आग, लाखों का नुकसान

देर रात हुआ हादसा, शॉर्ट सर्किट की आशंका, दमकल की तत्परता से टला बड़ा हादसा

रीवा। शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 20 में स्थित महावीर पूजन सामग्री की दुकान में बीती देर रात अचानक भीषण आग लग गई। घटना रात करीब 1 बजे की है, जब दुकान से उठती आग की ऊंची लपटों ने पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मचा दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग इतनी भयावह थी कि इसकी लपटें दूर तक देखी जा रही थीं, जिससे आसपास के दुकानदारों और रहवासियों में भय का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने बिना देर किए फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। आग की तीव्रता को देखते हुए दमकल कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। काफी प्रयासों के बाद आग पर काबू पाया जा सका। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, हालांकि आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। इस अग्निकांड में दुकान के अंदर रखा पूरा सामान, जिसमें पूजन सामग्री, लकड़ी के फर्नीचर और अन्य वस्तुएं शामिल हैं, जलकर राख हो गईं। अनुमान लगाया जा रहा है कि इस घटना में लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही वार्ड क्रमांक 20 के पार्षद दीनानाथ वर्मा भी मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों के साथ मिलकर आग बुझाने के प्रयासों में सहयोग किया। उन्होंने प्रशासन से पीड़ित दुकानदार को उचित मुआवजा दिलाने की मांग भी की है। गनीमत यह रही कि आग समय रहते काबू में आ गई और आसपास की अन्य दुकानों तक नहीं फैल सकी। यदि आग फैल जाती तो एक बड़ा हादसा हो सकता था और नुकसान कई गुना बढ़ सकता था।

विधायक प्रदीप पटेल की बेटी ने हासिल की MBBS डिग्रीः बेटी की कामयाबी का संदेश, बच्चों की शिक्षा में न करें कोई समझौता!

मऊगंज। विधायक प्रदीप पटेल की पुत्री यशा पटेल ने MBBS की डिग्री प्राप्त कर डॉक्टर बनकर परिवार और मऊगंज का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर क्षेत्रभर में खुशी का माहौल है और लोगों द्वारा उन्हें लगातार बधाई एवं शुभकामनाएं दी जा रही हैं।यशा पटेल की इस सफलता को केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि शिक्षा और संस्कार की जीत के रूप में देखा जा रहा है। उनकी मेहनत, लगन और परिवार के सहयोग ने यह साबित कर दिया कि यदि सही दिशा और अवसर मिले तो हर बच्चा अपने सपनों को साकार कर सकता है।इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक एक संदेश देते हुए कहा कि बच्चों को अच्छी शिक्षा और बेहतर परवरिश देना हर माता-पिता की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। कई बार परिस्थितियां कठिन होती हैं, लेकिन अभिभावकों को चाहिए कि वे अपने बच्चों की पढ़ाई में कोई कमी न आने दें। जरूरत पड़े तो खुद एक वक्त भूखे रहकर भी बच्चों के भविष्य को संवारने का प्रयास करें, क्योंकि शिक्षा ही वह आधार है जो आने वाले समय में परिवार और समाज दोनों को मजबूत बनाती है।यशा पटेल की सफलता आज उन सभी अभिभावकों के लिए प्रेरणा है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद अपने बच्चों को आगे बढ़ाने का सपना देखते हैं। यह उपलब्धि बताती है कि मेहनत, अनुशासन और शिक्षा के प्रति समर्पण से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।क्षेत्रवासियों ने यशा पटेल को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए आशा जताई कि वे अपने चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं देकर समाज की सेवा करेंगी।

हल्की आंधी बारिश भी नहीं सह पाया बिजली विभाग, करोड़ों रुपए की नई लाइनें बिछाई गईं लेकिन ट्रिपिंग की समस्या नहीं रुक रही, गांव से लेकर शहर तक में शिकायतों का लगा अंबार

रीवा। बिजली की ट्रिपिंग का रोना खत्म नहीं हो रहा। करोड़ों रुपए की लागत से नई लाइनें बिछाई गईं। नए ट्रांसफार्मर और सब स्टेशन का निर्माण हुआ लेकिन बिजली गुल होने का रोना खत्म नहीं हो पा रहा है। हल्की आंधी, बारिश में कई मोहल्ले और गांव में अंधेरा छा गया। लोगों को परेशानियां झेलनी पड़ी। सिर्फ रीवा शहर संभाग की बात करें तो करीब 300 शिकायतें गुरुवार को 1912 में दर्ज हुई थी। इनमें से अधिकांश का निराकरण भी समय पर नहीं हो पाया। आपको बता दें कि बिजली विभाग लोगों को निर्वाध बिजली की आपूर्ति नहीं कर पा रहा है। इस गर्मी में यदि मौसम साथ नहीं देता और आधी, पानी से मौसम में ठंडक नहीं घुलती तो लोगों की परेशानी बढ़नी तय थी। अप्रैल महीने में बेतहाशा गर्मी में ही आपूर्ति प्रभावित होना शुरू हो गई है। दिन में 10 से 12 मर्तबार ट्रिपिंग हो रही थी। फाल्ट की समस्याएं बढ़ गईं थी। हद तो यह है कि हर बार गर्मी के पहले मेंटीनेंस के लिए विद्युत विभाग से बजट जारी होता है। घंटों लाइन बंद की जाती थी। पूरा स्टाफ मेंटीनेंस में झोंक दिया जाता है। इसके बाद भी हालात जस के तस रहते हैं। गुरुवार को हल्की आंधी बारिश आई थी। पूरा शहर ब्लैक आउट कर दिया गया था। 33 केवी लाइन की सप्लाई ही बंद कर दी गई थी।

तेलंगाना से दुष्कर्म के आरोप में फरार चल रहे आरोपियों को गिरफ्तार कर लाई पुलिस, बैकुंठपुर पुलिस ने की कार्रवाई, दो अलग-अलग मामलों में फरार आरोपी

रीवा।

जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र में दुष्कर्म एवं अपहरण के मामलों में फरार चल रहे आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए करीब 3000 किलोमीटर दूर से उन्हें गिरफ्तार किया है, थाना प्रभारी श्रृंगेश राजपूत ने जानकारी देते हुए बताया कि पहला मामला लगभग आठ माह पूर्व का है, जब ग्राम हटवा निवासी प्रदीप साकेत ने एक किशोरी का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। पीड़ित परिवार की शिकायत पर पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी। हालांकि घटना के बाद आरोपी लगातार फरार चल रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक रीवा द्वारा 5 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया गया था। फरारी के दौरान आरोपी दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों में ठिकाना बदलकर पुलिस से बचने का प्रयास कर रहा था। पुलिस के अनुसार, साइबर सेल और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपी की लोकेशन तेलंगाना में ट्रेस की गई। इसके बाद बैकुंठपुर पुलिस की एक विशेष टीम गठित कर तेलंगाना रवाना किया गया, जहां टीम ने सतर्कता और योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसी प्रकार, दो माह पूर्व दर्ज एक अन्य दुष्कर्म एवं अपहरण के मामले में फरार चल रहे दूसरे आरोपी को भी पुलिस ने तेलंगाना से गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को रीवा लाकर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पूरे ऑपरेशन में साइबर सेल की तकनीकी सहायता और स्थानीय मुखबिरों की सटीक सूचना ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हरिभूमि
समाचार ही नहीं, विचार भी

सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार 2026

प्रथम उपहार 1 कार

द्वितीय उपहार
3 नग बाईक

तृतीय उपहार
10 नग LED TV

चतुर्थ उपहार
5 नग फ्रीज

पांचवा उपहार
8 नग वासिंग मशीन

छठवां उपहार
15 नग गैस चूल्हा

सातवां उपहार
25 नग सिलिंग फैन

आठवां उपहार
40 नग ट्राली बैग

नवां उपहार
500 नग हॉट पॉट

दसवां उपहार
600 नग लंच बाक्स

ग्यारहवां उपहार
प्रत्येक प्रतिभागी को सांत्वना उपहार

नियम एवं शर्तें :- ❖ यह सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार योजना 1 मई 2026 से 31 दिसम्बर 2026 की अवधि के लिए है । ❖ हरिभूमि के नये एवं पुराने पाठक इसमें भाग ले सकते हैं। ❖ महालक्की ड्रा. में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा। ❖ इस योजना अवधि में हरिभूमि समाचार पत्र में कुल 50 कूपन (35 सामान्य कूपन एवं 15 मास्टर कूपन) प्रकाशित किये जाएंगे। ❖ योजना में भाग लेने के लिये पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित फार्मेट पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 50 कूपनों में से कुल 30 कूपन (20 सामान्य एवं 10 मास्टर कूपन) चिपकाने होंगे। ❖ फोटोकॉपी या कटे-फटे कूपन व फार्मेट मान्य नहीं होगे । ❖ राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे। ❖ सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार योजना के विजेता को आयकर के नियम व शर्तें मान्य होगी । ❖ हरिभूमि निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। ❖ किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रायपुर (छ.ग.) होगा। ❖ चित्र में दर्शाए गए उपहार वास्तविक उपहार से भिन्न हो सकते हैं । ❖ हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते ।

आज ही हरिभूमि की प्रति बुकिंग करायें

हरिभूमि कार्यालय : 66/1, औद्योगिक क्षेत्र, रिछाई जिला जबलपुर
मो. 9479623424, 9340637789